RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

GEOGRAPHY



वायु परिवहन

LIVE 12-06-2024 12PM

=> चिनाब पुल (J&K)

=> पीरपंजाल सुरंग (J&K)

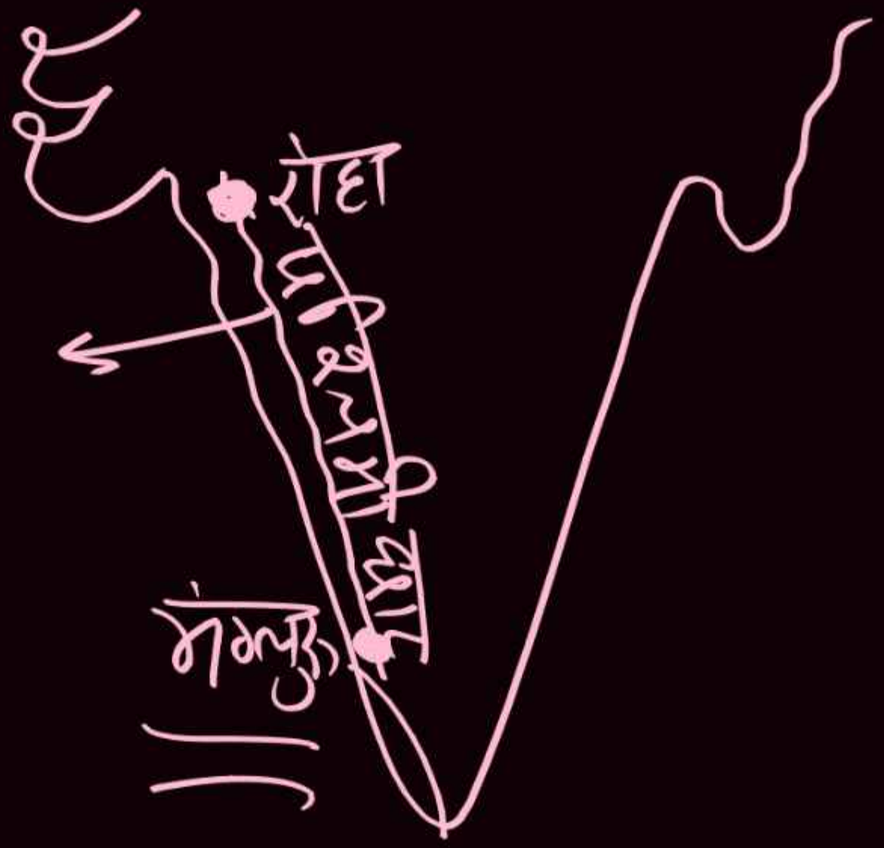
T-49

⇒ ① हुबली (कर्नाटक) (1505 m)

⇒ सुपर नागपुरी (295 डिब्बे)

↳ 3.5 km लंबी (लगभग)

कोंकण रेलवे



संसार में सबसे बड़े रेल नेटवर्क वाले देश

⇒ Top 4 contries by Rail transport size -

1. U.S.A 2. China 3. Russia 4. india

कोंकण रेलवे/ Konkan Railway

NCERT

⇒ गोवा, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के बीच छोटे से छोटे रेलवे मार्ग द्वारा एक लिंक प्रदान करने हेतु मार्च 1998 ई. में कोंकण रेलवे परि. प्रारंभ की गई है। इस परियोजना में रोहा स्टेशन (महाराष्ट्र) से मंगलुरू (कर्नाटक) स्टेशन के बीच 760 km की दूरी सम्मिलित है।

⇒ Konkan Railway Circle in March 1998 AD to provide a link between Goa, Maharashtra and Karnataka by the shortest railway route Konkan Railway plan has been started in 1998 ad. The project covers a distance of 760 km from Roha station (Maharashtra) to Mangaluru (Karnataka) station.

NCERT

यह रेलमार्ग केरल तक नहीं जाता है। इस रेलमार्ग पर रत्नागिरि के निकट कारबुडे स्थित सुरंग 6.5 km लंबी है, जो कोंकण रेलवे की सबसे लंबी रेल सुरंग है। इस रेलमार्ग पर बड़े रेलवे पुलों की संख्या 179 तथा छोटे पुलों की संख्या 1819 है। सुरंगों की संख्या 91 है। यह रेलमार्ग 146 नदियों व धाराओं तथा लगभग 2000 पुलों को पार करता है।

This railway does not go till Kerala. The tunnel at Karbude near Ratnagiri on this route is 6.5 km long, which is the longest rail tunnel of Konkan Railway. The number of major railway bridges on this route is 179 and the number of minor bridges is 1819. The number of tunnels is 91. This railway route crosses 146 rivers and streams and about 2000 bridges.

⇒ भारत का सबसे ऊंचा रेलवे पुल चिनाब पुल है, जो कि J&K में 359m की ऊँचाई पर बनाया गया है|

⇒ India's highest railway bridge is Chenab bridge, built at a height of 359m in J&K.

⇒ भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग अब तक पीरपंजाल सुरंग है (11.2 km) किंतु जल्द ही J&k में ही स्थित T- 49 सुरंग भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग बन जायेगी|(12.7 km)

J&K

⇒India's longest rail tunnel till now is Pirpanjal tunnel (11.2 km) but soon T-49 tunnel located in J&K will become India's longest rail tunnel (12.7 km).

Note : - रेलवे द्वारा परिवहित शीर्ष चार भारी सामान क्रमश: - कोयला, सीमेण्ट, खाधान्य तथा उर्वरक है।

Note:- The top four heavy goods transported by Railways are respectively – Coal, Cement, Food grains and Fertilizers.

Note : - रेलवे स्टाफ कॉलेज बडौदा में है। → गुजरात

Note :- Railway Staff College is in Baroda.

Note : - देश में सर्वाधिक बोगियों वाली अर्थात लंबी ट्रेन सुपर वासुकी (295 डिब्बे)(Approx 3.5 km long) है।

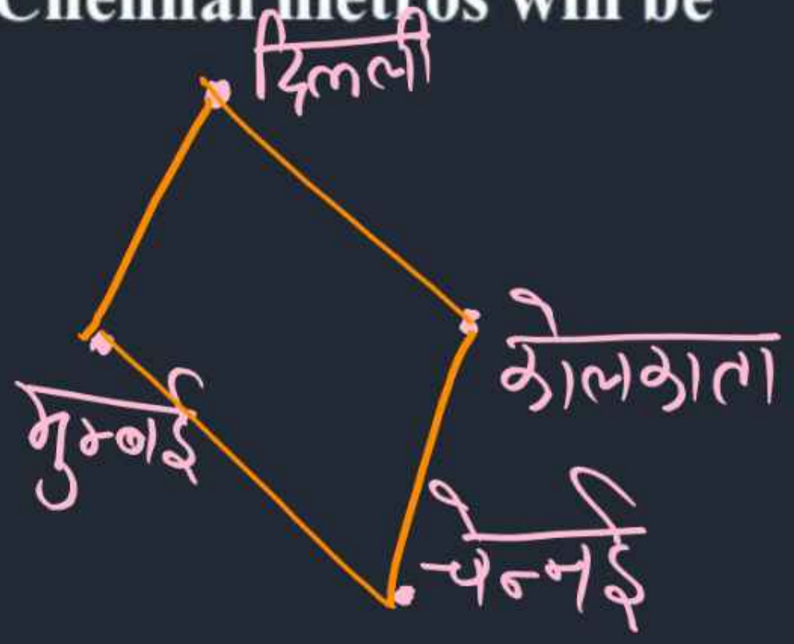
Note: - Super Vasuki is the longest train in the country with the maximum bogies (295 Coaches)(Approx 3.5 km long).

Note : - भारत का सबसे बड़ा रेलवे पुल सोन नदी का पुल (बिहार) है।

Note: - India's largest railway bridge is Son river bridge (Bihar).

□ स्वर्णिम चतुर्भुज परि. - दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई महानगरों को जोड़ने वाले हाईडैन्सिटी रेलमार्ग सुदृढ किया जायेगा।

□ Golden Quadrilateral plan - High-density rail route connecting Delhi, Mumbai, Kolkata, Chennai metros will be strengthened.



Note : - रेलवे पटरी की चौड़ाई के आधार पर भारतीय रेल के तीन वर्ग बनाए गये हैं-

Note: - On the basis of the width of the railway track, three classes of Indian Railways have been made-

1. बड़ी लाइन (Broad Guage) :- ब्रॉड गेज में रेल पटरियों के बीच की दूरी 1.616 मी. होती है। ब्रॉडगेज लाइन की कुल लंबाई 2016 ई. में 60510 km थी।

NCERT

1. Broad Gauge :- The distance between the rail tracks in broad gauge is 1.616 m. it occurs . The total length of broad gauge line was 60510 km in 2016 AD.

2. मीटर लाइन (meter Guage) :- इसमें दो रेल पटरियों के बीच की दूरी एक (1) मीटर होती है। इसकी कुल लंबाई 2016 में 3880 km थी।

2. Meter Guage: – In this, the distance between two railway tracks is one meter. Its total length in 2016 was 3880 km.

(नैरो गेज) → रेल पटरियों के बीच की दूरी = .762 m या .610 m

Narrow Guage- The distance between the rail tracks in Narrow Guage is .762 m or .610 m. the total length of Narrow guage in 2016 was 2297 km. it is limited in mountain areas.

Topic completed

वायु परिवहन / air transportation





1911 ई०

① एयर इंडिया
② इंडियन एयरलाइंस

दुलादल्ला - नेनी

2007 →

① एयर इंडिया
② पवन हंस हेलीकॉप्टर्स
③ निजी विमान सेवाएं

⇒ देश में वायु परिवहन का विकास 1911 ई. से प्रारंभ हुआ जब इलाहाबाद से नेनी तक वायुयान द्वारा प्रथम डाक ले जायी गयी।

⇒ The development of air transport in the country started from 1911 AD when the first post was carried by air from Allahabad to Neni.

⇒ 1953 में वायु परिवहन का राष्ट्रीयकरण करते हुए सभी विमान कंपनियों को दो नवनिर्मित निगमों में शामिल कर दिया गया-

⇒ In 1953, while nationalizing air transport, all the airline companies were included in two newly formed corporations-

(i) इण्डियन एयरलाइंस (आंतरिक और पडोसी देशों का वायु- परिवहन भार) (भारतीय विमान निगम)

(i) Indian Airlines (air transport load of internal and neighboring countries) (Aircraft Corporation of India)

(ii) एयर इण्डिया इण्टरनेशनल (सुदूर अंतर्राष्ट्रीय देशों का वायु परिवहन भार),

(ii) Air India International (air transport load of so far international countries.

- इन दोनों का भी 2007 ई. में विलय कर दिया गया |
- both of these were also merged in 2007.

⇒ इस समय देश में तीन प्रकार की सेवाएं है-

⇒ At present there are three types of services in the country-

1) एयर इण्डिया (1 अगस्त 1953 को राष्ट्रीयकरण हुआ)

Air India (Nationalized on 1 August 1953)

2) पवन हंस हेलीकाप्टर्स

Pawan Hans Helicopters

3) निजी वायु विमान सेवाएं

Private Airlines